an>

Title: Regarding regularization of services of Para-Teachers in Jharkhand.

श्री राम टहल चौधरी (रॉंची) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं झारखंड में पैरा शिक्षकों का मामला उठाना चाहता हूं। वे एक साल से आंदोलित हैं और अभी 62 दिनों तक भूख हड़ताल पर भी रहे हैं। एक सप्ताह पहले मैंने उनकी हड़ताल खत्म करवाई है। ये पैरा टीचर्स ऐसे हैं जो 14-15 सालों से काम कर रहे हैं, अगर पैरा टीचर्स नहीं होते तो झारखंड के आधे स्कूल बंद हो गये होते। इनकी बदौलत स्कूल चला और ये सारा क्राइटीरिया फुलफिल करते हैं। ये टेंथ पास भी हैं और ये बी.एड भी हैं। उसके बाद भी इनकी नियुक्ति सरकार नहीं कर रही है। एक तरफ शिक्षकों की कमी है और दूसरी तरफ लड़कों को शिक्षा नहीं मिल रही है। ये लोग आंदोलित हैं। इसलिए मैंने आपके माध्यम से राज्य सरकार से भी कहा कि जनहित में और शिक्षा की दृष्टि से ये लोग सारी प्रक्रिया पूरी करते हैं। इसलिए ऐसे टीचर्स को प्राथमिकता देते हुए इनकी नियुक्ति शीघ्र की जाए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल को श्री राम टहल चौधरी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।